

अध्याय 16

आलेख और पीलू

प्रश्न-अभ्यास

क्या होता?

प्रश्न 1.

अगर लालू और पीलू को सफेद और हरी चीजें पसंद होतीं तो क्या उनके नाम अलग-अलग होते?

उत्तर :

हाँ, उनके नाम अलग-अलग होते।

प्रश्न 2.

फिर वे क्या-क्या खाते?

उत्तर :

लालू	पीलू
चीनी	अमरूद
चावल	मटर
मूली	धनिया
गोभी	हरे चने

प्रश्न 3.

लाल मिर्च खाते ही लालू की जीभ जल गई। तुम्हारी जीभ क्या-क्या खाने-पीने से जलती है?

उत्तर :

ज्यादा गर्म दूध पीने से	गर्म हलवा खाने से
गर्म-गर्म सब्जी खाने से	गर्म चावल-दाल खाने से

प्रश्न 4.

जीभ जलने पर तुम क्या करते हो?

उत्तर :

जीभ जलने पर सबसे पहले मैं ठंडा पानी पीता हूँ; तभी उसकी जलन कम होती है। फिर कोई मीठी चीज-गुड़, चीनी या शहद खाता हूँ।

दो अंक के प्रश्न और उत्तर

1.प्रश्न: लालू और पीलू का वर्णन कैसा है और वे कैसे-कैसे थे?

उत्तर: लालू और पीलू दो मुर्गी के चूजे थे। लालू लाल चीजें खाता था जबकि पीलू पीली चीजें पसंद करता था। लालू ने एक दिन लाल-लाल चीज खा ली जिससे उसकी जीभ जलने लगी। इसके परिणामस्वरूप, उसने गुड़ का टुकड़ा खाया जो उसकी जलन को ठीक कर दिया।

2.प्रश्न: कहानी में कैसे पता चला कि लालू की जीभ में जलन हो रही है?

उत्तर: लालू ने एक दिन पौधे पर लाल-लाल रंग की चीज देखी और उसे खा लिया। इसके परिणामस्वरूप, उसकी जीभ में जलन होने लगी, जिससे वह रोने लगा।

3.प्रश्न: गुड़ का टुकड़ा खाने के बाद लालू की कैसी अवस्था हुई?

उत्तर: गुड़ का टुकड़ा खाने के बाद, लालू की जीभ की जलन ठीक हो गई और उसकी अवस्था सुधार गई। इसके बाद, मुर्गी ने अपने दोनों चूजों को प्यार से लिपटा लिया।

4.प्रश्न: लालू ने गुड़ का टुकड़ा क्यों खाया और इसका क्या परिणाम हुआ?

उत्तर: लालू ने गुड़ का टुकड़ा खाया क्योंकि उसकी जीभ में जलन हो रही थी

जिसे ठीक करने के लिए। गुड़ का खाना उसकी जलन को ठीक करने में सफल रहा और उसकी अवस्था में सुधार हुआ।

5.प्रश्न: कहानी का संदेश क्या है?

उत्तर: कहानी बताती है कि अगर हमें किसी समस्या का सामना करना पड़ता है, तो हमें उसका सीधा समाधान ढूँढना चाहिए और अच्छा खाना हमारी सेहत के लिए हमेशा फायदेमंद होता है।

चार अंक के प्रश्न और उत्तर

प्रश्न: लालू ने गुड़ का टुकड़ा क्यों खाया और इसका क्या परिणाम हुआ?

उत्तर: लालू ने गुड़ का टुकड़ा खाया क्योंकि उसकी जीभ में जलन हो रही थी, और गुड़ का खाना उसकी जलन को ठीक करने में सफल रहा। इससे उसकी अवस्था में सुधार हुआ और उसने आराम से जीवन जीना शुरू किया।

प्रश्न: कहानी में चूजों का किरदार कैसा है और उनका योगदान क्या है?

उत्तर: चूजों का किरदार कहानी में महत्वपूर्ण है, क्योंकि उन्होंने लालू को सहारा दिखाया और उसकी जीभ की जलन को ठीक किया। उनका योगदान है कि वे दोस्ती और समर्पण के माध्यम से दूसरों की मदद करने में सक्रिय रूप से शामिल होते हैं।

प्रश्न: चूजों के और लालू के बीच कैसे रिश्ता दिखाया गया है?

उत्तर: चूजों ने गुड़ का टुकड़ा खाने के बाद लालू की जीभ की जलन को ठीक किया और फिर मुर्गी ने उनकी दोनों चूजों को प्यार से लिपटा लिया, जिससे इसमें दोस्ती और समर्पण का भाव दिखता है।

प्रश्न: लालू ने गुड़ का टुकड़ा खाने के बाद अपनी आत्मा में कैसा बदलाव आया?

उत्तर: लालू ने गुड़ का टुकड़ा खाने के बाद उसकी जीभ की जलन ठीक हो गई और उसकी आत्मा में आराम से जीने की भावना आई, जिससे उसका मौड़ बदल गया।

सात अंक के प्रश्न और उत्तर

प्रश्न: इस कहानी में दोस्ती और सहायता का कैसा संदेश है?

उत्तर: इस कहानी में दोस्ती और सहायता का संदेश है कि जब हम दूसरों की मदद करते हैं और उन्हें सहारा दिखाते हैं, तो हम सभी एक-दूसरे के साथ दोस्ती और समर्पण के भावना से जुड़ते हैं। चूजों का योगदान दिखाता है कि सहायता करना हमारी जीवन में पॉजिटिव परिवर्तन लाता है और एक दोस्ताना माहौल बनाता है।

प्रश्न: लालू की जीभ की जलन को ठीक करने के लिए उसने कौन-कौन सी क्रियाएं कीं?

उत्तर: लालू ने गुड़ का टुकड़ा खाया और उसने अपनी जीभ से आग को बुझाया। इसके बाद उसकी जीभ की जलन ठीक हो गई और उसने आराम से जीवन जीना शुरू किया।

प्रश्न: इस कहानी के माध्यम से कैसे बताया गया है कि दोस्ती में समर्पण होना क्यों महत्वपूर्ण है?

उत्तर: कहानी में यह दिखाया गया है कि दोस्ती में समर्पण होना महत्वपूर्ण है क्योंकि जब चूजे ने लालू की जीभ की जलन को ठीक करने में मदद की, तो लालू की जीभ को बहुत आराम मिला और उसने आराम से जीवन जीना शुरू किया। समर्पण से ही इसमें सफलता हुई।

कहानी का सारांश

एक मुर्गी के दो चूजे थे। एक का नाम लालू और दूसरे का नाम था पीलू। लालू लाल चीजें तथा पीलू पीली चीजें खाता था। एक दिन लालू ने पौधे पर लाल-लाल कोई चीज देखी और उसे खा लिया। वह लाल मिर्च थी। लालू की जीभ जलने लगी और वह रोने लगा। मुर्गी और पीलू उसके पास दौड़े-दौड़े आए। उनके पास पीले-पीले गुड़ का टुकड़ा था। लालू ने झट से गुड़ का टुकड़ा खाया और उसके मुँह की जलन ठीक हो गई। मुर्गी ने अपने दोनों चूजों को प्यार से लिपटा लिया।

शब्दार्थ : चूजा-मुर्गी का बच्चा। गुड़-ईख का रस पकाकर जमाई हुई भेली।